4

ग्रेट प्लेंस

चलो पश्चिम की ओर

तुमने पढ़ा है कि अमेरिका मे बसने के लिए यूरोप से लगातार लोग आते गए। ये लोग अधिकतर छोटे किसान थे, जो ज़मीन के लालच में अमेरिका आए थे। ये लोग अमेरिका के आदिवासी इंडियनों को खदेड़कर उनकी ज़मीन पर खेती करने लगे।

यूरोप से आए लोग पहले अटलांटिक सागर के तटीय प्रदेश में बसे। फिर वे अपलेशियन पर्वत श्रेणी पार करके मिसिसिपी नदी के मैदान में बसने लगे। अपलेशियन पर्वत श्रेणी के पश्चिम मे पड़ने वाले इस मैदान को मध्य का मैदान कहा जाता है।

मध्य के मैदान के पूर्वी हिस्सो में काफी वर्षा होने के कारण घने जंगल पाए जाते हैं। लेकिन मिसिसिपी नदी तक आते-आते वर्षा कम हो जाती है। यहां पेड़ नही उगते हैं। मिसिसिपी नदी के आसपास और उसके पश्चिम में घास का प्रदेश है। यहां ऊंची-ऊंची घास उगती है जिसे "प्रेरी" घास कहते हैं।

मिसिसिपी नदी के मैदान के इस प्रदेश की मिट्टी बहुत उपजाऊ है। और वर्षा भी 50 से.मी. से ज़्यादा होती है। बसने आए परिवार यहां ज़मीन तोड़कर खेती करने लगे और मुख्य रूप से मक्का उगाने लगे। धीरे-धीरे अमेरिका का अटलांटिक तटीय मैदान और मध्य का मैदान यूरोपीय लोगो की बसाहटों से भरा गया। फिर भी यूरोप से आने वालो का सिलसिला जारी रहा तो लोग और पश्चिम की ओर बढ़ने लगे। बढ़ते-बढ़ते वे ग्रेट प्लेंस तक पहुंच गए। मगर ग्रेट प्लेंस की जलवायु और वनस्पति ने उनके सामने कई कठिनाइयां खड़ी कर दीं।

पश्चिम की ओर जाने वालो की गाड़ियां और जानवर

ग्रेट प्लेंस और उसकी जलवायु

मिसिसिपी नदी तथा रॉकीज़ पर्वतों के बीच, उत्तर से दक्षिण तक फैला मैदान ग्रेट प्लेंस कहलाता है। उत्तर में यह मैदान कनाडा के बीच के हिस्सों तक फैला हुआ है। यह प्रदेश बिलकुल सपाट या हल्का ऊंचा-नीचा है। सैकड़ों मील तक फैले इस प्रदेश में मिसिसिपी की कई सहायक नदियां बहती हैं।

दीवार के मानचित्र पर निम्नलिखित नदियों के मार्गों को उंगली फेरकर बताओ :

1. मिसौरी 2. प्लेट

3. अरकन्सस 4. रेड

उत्तर में कनाडा में सस्केच्वान नदी को भी ढूंढो।

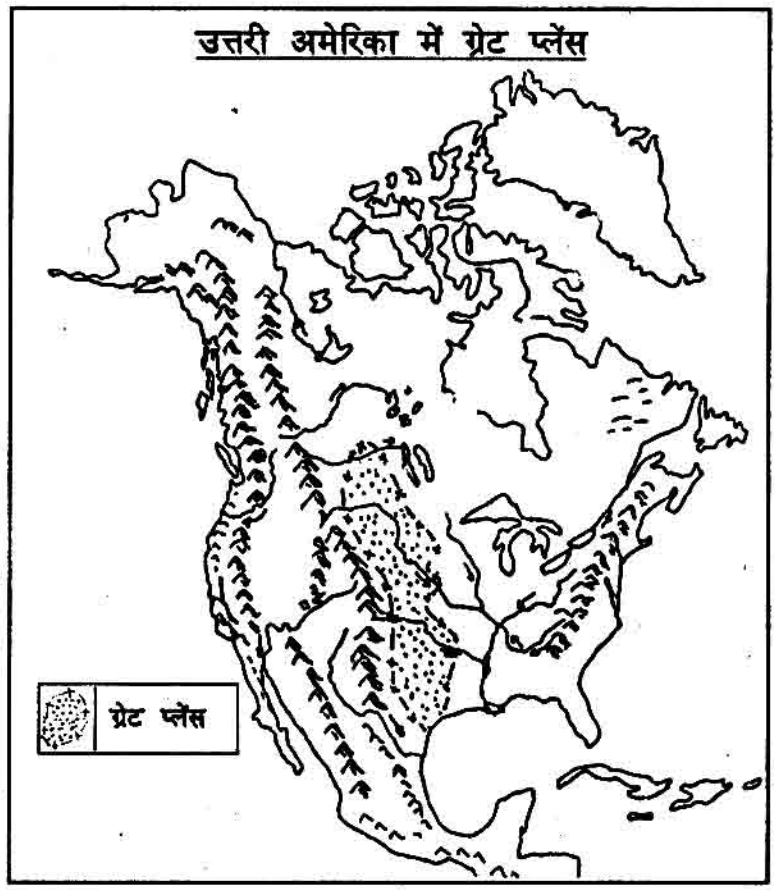

ग्रेट प्लेंस मुख्यतः घास का प्रदेश है। शुरू में आए लोगों में से एक छोटी बच्ची ने लिखा है कि यह घास का प्रदेश इतना सपाट है जैसे समुद्र हो, और यहां पेड़ तक नहीं हैं जिनके पीछे छुपकर खेला जा सके।

अमेरिका के ग्रेट प्लेंस ठंडी जलवायु के घास का प्रदेश है।

तुमने अफ्रीका में सवाना नामक घास के प्रदेशों की बात पढ़ी थी। वे भूमध्यरेखा के निकट हैं, इसलिए गर्म प्रदेश हैं। उत्तरी अमेरिका के मानचित्र में देखो, ग्रेट प्लेंस भूमध्यरेखा से दूर है और बहुत उत्तर में फैला हुआ है, इसलिए यह ठंडा प्रदेश है। ग्रेट प्लेंस में वर्षा लगभग 25 से.मी. से 50 से.मी. तक होती है। तुम जानते हो कि इतनी कम वर्षा में घास ही उग पाती है। पेड़ केवल नदियों के किनारे उगते हैं। ग्रेट प्लेंस के सूखे हिस्सों में घास काफी छोटी रह जाती है। इसे "छोटी प्रेरी" की घास कहते हैं।

क्या तुम ग्रेट प्लेंस में इतनी कम वर्षा होने के कारण बता सकते हो? दरअसल, ग्रेट प्लेंस महासागरों से दूर है और पर्वतों की आड़ में है, इसीलिए यहां इतनी कम वर्षा होती है।

सागरों से दूरी ग्रेट प्लेंस के तापमान पर भी असर डालती है। यहां ठंड के मौसम में तापमान बहुत गिर जाता है, यहां तक कि हिमांक (0 डिग्री से.) से भी कम हो जाता है। गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ जाता है, यहां तक कि 40 डिग्री से. से ऊपर चला जाता है। जाड़े-गर्मी का यह अत्यधिक अंतर उन प्रदेशों में पाया जाता है जो सागर से बहुत दूर होते हैं। यह बात तुमने तापमान के पाठ में पढ़ी थी।

जब संयुक्त राज्य अमेरिका में लोग आकर बसे, तब ग्रेट प्लेंस उन्हें आकर्षक नही लगता था और खेती के लिए उपयुक्त भी नही लगता था। कई जगह पानी भी नही मिलता था, इसलिए लोग प्रेरीज़ प्रदेश को पार करके पश्चिम की ओर चले जाते थे।

काउबॉय का जमाना

कहा जाता है कि सन 1521 में यूरोप से छह गाय और एक बैल मेक्सिको लाए गए। ये उत्तरी अमेरिका में आए पहले गाय-बैल थे। उससे पहले वहां गाये बिलकुल नही थी। केवल जंगली भैंसे थी, जो ग्रेट प्लेंस में चरती थी। इन्हें बाइसन कहा जाता था। वहां के इंडियन लोग उनका शिकार करते थे।

तो ये जो छह गाये और एक बैल 1521 में आये, उनके वंशजो में से कुछ जंगल में भटक गए। वे जंगल व घास के मैदानों में पलते रहे और 1850 तक इनकी संख्या हज़ारों में हो गई। ये सभी गाये ग्रेट प्लेंस के घास के मैदानो में मज़े से चर रही थी। जो लोग उस इलाके में पहुंचे, वे गायों के इन झुंडो को देखकर आश्चर्यचकित हो गए। उनमें से कुछ लोगो को एक विचार सूझा, "क्यों न हम इन गायो को पकड़कर उत्तर-पूर्व के शहरों में मांस के लिए बेचें? इसमें ज़्यादा लागत तो लगनी नहीं है। बस, दस-पंद्रह लोग और कुछ घोड़ों की ज़रूरत होगी जो इन गायो को घेर कर बड़े शहरों में ऊंचे दामो पर बेच आयेंगे।"

मगर एक समस्या थी। गाये थी ग्रेट प्लेंस के दक्षिणी भाग में और बड़े शहर थे अमेरिका के उत्तर पूर्व में। उन्हें शहरो तक पहुंचाने के लिए रेलगाड़ियों में ले जाना पड़ता था। मगर रेल लाईनें भी दूर उत्तर में थी। नतीजा यह था कि इन गायों को घेरकर सैकड़ो मील ले जाना पड़ता था ताकि उन्हें रेल डिब्बो में लादा जा सके। यह बहुत मुश्किल काम था। दिन-रात

गायों को बेचने के लिए हांक के ले जा रहे है काउबॉय

गायों पर निगरानी रखनी पड़ती थी। उन्हें भागने से, तितर-बितर होने से, चोर डाकुओं से बचाकर सैकड़ों मील चलाकर ले जाना आसान काम नही था। जो लोग यह जोखिम भरा धंधा करते थे, उन्हें काऊबॉय कहा जाता था। अपने जीवन की इन कठिनाइयों व खतरों के कारण काऊबॉय अमेरिका में बहुत प्रसिद्ध हुए हैं।

गायों को माल गाड़ी मे लादा जा रहा है

ग्रेट प्लेंस में पली गायें कहां बिकने जाती थीं?
काऊबॉय के काम बताने वाले चार शब्दों को रेखांकित करो।
पिछले पृष्ठ में दिए गए चित्र में देखो, कितने काऊबॉय हैं?
वे जानवरों को कैसे इकट्ठा करके हांक रहे हैं?
उनके काम में घोड़ों का क्या महत्व था?

रैंचों का बनना

इस दौरान ग्रेट प्लेंस से इंडियनों को खदेड़ दिया गया था और बाइसनों को मार दिया गया था। इस प्रकार ग्रेट प्लेंस में बाइसन और आदिवासी इंडियनों का युग खत्म हुआ। कुछ समय बाद काऊबॉयों का युग भी बीतने लगा। ग्रेट प्लेंस में रेल लाईनों का जाल बिछा। इस कारण सैकड़ों मील गायों को हांककर ले जाने की ज़रूरत अब नही थी।

जो लोग जंगली गाय पकड़कर बेचने का धंधा करते थे, वे अब अपने धंधे को सुधारने की कोशिश करने लगे। वे खुद गाय पालने लगे। मगर कैसे? ये लोग जंगली गायों को पकड़ लाते और सब मालिक अपनी-अपनी गायों पर अपना चिन्ह दाग़ देते थे। फिर इन्हें ग्रेट प्लेंस के घास के खुले मैदानों में चरने के लिए छोड़ देते थे। साल के अंत में सभी मालिक मिलकर गायों को इकट्ठा करते थे और दाग़ के आधार पर अपनी-अपनी गायों को अलग करते थे। जिन गायों को बेचना था उन्हें रेल में चढ़ाकर शहर भेज देते थे।

मगर गायों को इस तरह खुले में चराना बहुत दिन तक नहीं चला। कुछ मालिक नई नस्ल की गाएं नए तरीकों से पालना चाहते थे ताकि गायें अच्छी मोटी हो जाएं और उनका अच्छा भाव मिले। वे नही चाहते थे कि उनकी गायें दूसरी जंगली गायों के साथ चरें। इसलिए वे अपने अलग फार्म बनाने लगे।

कई मालिकों ने सैकड़ों मील लंबी ज़मीन पर अपना-अपना हक जमाकर कंटीले तारों का बाड़ा बनाना शुरू किया। जानवर पालने के लिए बनी इन बड़ी-बड़ी जायदादों को रैंच कहा जाने लगा। इन रैंचों में मांस के लिए विशेष नस्ल की गायें पाली जाने लगी और इन गायों के लिए उत्तम चारा और अच्छी देख-रेख का प्रबंध किया जाने लगा। इस तरह अब अमेरिका के विशाल घास के मैदानों का उपयोग एक अलग ही ढंग से होने लगा।

एक आधुनिक रैंच

सैकड़ों मील लंबे-चौड़े रैंच के बीच में आजकल रैंच मालिक अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके

आधुनिक और सुविधाजनक घरों के अलावा रैंच के नौकरों व कर्मचारियों के घर और जानवरों की देखभाल, इलाज आदि के लिए भी इमारतें होती हैं।

रैंच के जानवरों की देख-रेख के लिए रखे गए नौकरों को काऊबॉय ही कहा जाता है। पर अब काउबॉयों का काम काफी बदल गया है। उनका काम है - रैंच के जानवरों की देखभाल। रैंच में चर रहे जानवरों पर निगरानी रखने के लिए रैंचों में अब सड़कें बनी हैं। काऊबॉय घोड़ों के साथ-साथ अब जीपों और हेलीकाप्टरों का उपयोग भी करते हैं। रैंचों के बीच नलकूप बनाकर पवन चक्की लगाई जाती है जिससे हवा के चलने के साथ पानी खिंचता रहे। पानी टंकियों में भरता रहता है ताकि जानवर पी सकें। काऊबॉय निगरानी रखते हैं ताकि जानवरों को पानी मिलता रहे, एक नस्ल के पशु दूसरे से न मिल जाएं, कंटीले तार कहीं टूट न जाएं इत्यादि।

एक आधुनिक रैंच

रैंच में इस बात पर बहुत ध्यान दिया जाता है कि जानवर मोटा हो और उस पर मांस चढ़े, क्योंकि अच्छे मोटे जानवर की अच्छी कीमत मिलती है। अमेरिका के लोगों के भोजन में मांस एक प्रमुख और ज़रूरी अंग है। इस कारण वहां मांस की खूब मांग रहती है। साल में दो बार रैंचों में जानवरों को इकट्ठा किया जाता है और बेचने लायक जानवरों को गाड़ियों में भर कर शहरों में भेजा जाता है।

मांस उद्योग

अमेरिका के कुछ बड़े शहर मांस उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं - जैसे कन्सास, शिकागो, मिलवॉकी, इंडियानापोलिस। इन शहरों में जानवरों के मांस को ठंडा करके डिब्बों में पैक करके बेचने के लिए तैयार किया जाता है जिससे मांस सड़े नहीं।

इन चार बातों को क्रम से जमाओ -

1. काऊबॉयों द्वारा घास के मैदानों में चरने वाली जंगली गायों को पकड़कर बेचना।

2. अमेरिका के आदिवासियों द्वारा घास के मैदान में चरने वाले बाइसनों का शिकार करके जीना।

3. रैंचों में अच्छी नस्ल की गायें पालना।

4. खुले मैदानों में पालतू गायों को चराना।

ग्रेट प्लेंस में खेती की शुरुआत

जिस समय ग्रेट प्लेंस में रैंच बन रहे थे, लगभग उसी समय वहां बसकर खेती करने के लिए लोग आने

कंटीले तारों का बाड़ा

लगे। संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार चाहती थी कि लोग ग्रेट प्लेंस के विशाल मैदान में बसकर खेती करें। खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ऐलान किया था कि जो लोग वहां बसना चाहते हैं, उन्हें 160 एकड़ ज़मीन मुफ्त दी जाएगी। ज़मीन के लालच मे लोग ग्रेट प्लेस मे आने लगे और खेती करने की कोशिश करने लगे। पर ग्रेट प्लेंस में पानी की कमी थी, बाड़े बनाने के लिए पेड़ तक नहीं थे और जोतने के लिए बहुत ज़्यादा ज़मीन थी। जब इन समस्याओं का हल मिलने लगा तब लोग बड़ी संख्या में ग्रेट प्लेंस मे खेती करने लगे।

1. पानी की कमी : ग्रेट प्लेंस मे वर्षा कम होती है। कुछ साल ऐसे भी होते हैं जब वर्षा बिलकुल नही होती है। ऐसे मे पानी का प्रबंध करना ज़रूरी था। कुंए खोदने पर पानी गहराई पर मिलता था - उससे 160 एकड़ की सिंचाई कैसे करें? उन्ही दिनो नलकूप और पवन चक्कियों का आविष्कार हुआ। किसानो ने नलकूप बनाए और उनसे पानी खींचने के लिए पवन चक्कियो का उपयोग किया।

ग्रेट प्लेंस मे तेज़ हवाएं चलती रहती हैं, सो वहां पवन चक्कियां बहुत उपयुक्त रहीं।

2. जानवर : ग्रेट प्लेंस मे चर रहे जानवर खेतो मे घुसकर फसल बर्बाद कर देते थे। खेतों को बचाने के लिए बाड़ा बनाना ज़रूरी था। लेकिन बाड़ा किससे बनाएं? वहां पेड़ तो थे नहीं, जिन्हें काटकर बाड़ा बनाया जाए। मिट्टी का बाड़ा बनाते तो जानवर उन्हें तोड़ डालते थे। ऐसे में कंटीले तारों का आविष्कार हुआ। कंटीले तारो से बाड़े बनने लगे और जानवरो का डर खत्म हुआ। पवन चक्की और कंटीले तारो के उपयोग से ग्रेट प्लेंस में खेती फैलाना संभव हुआ।

3. मशीनों की ज़रूरत : ग्रेट प्लेंस मे बड़े-बड़े जोत वाले किसान बने। आजकल यहां किसानो के पास 500-600 एकड़ ज़मीन होना आम बात है।

इतने बड़े जोत को किसान कैसे संभालता? तुम सोचोगे कि वे ज़मीन बटाई पर दे सकते थे या मज़दूर लगाकर काम करवा सकते थे। लेकिन जहां इतनी सारी खाली ज़मीन हो, वहां कौन दूसरों की ज़मीन बटाई पर लेगा? जो लोग मज़दूरी करते थे, वो तो उद्योगो में काम करना पसंद करते थे। उद्योगों में मज़दूरी भी अधिक मिलती थी और फिर शहर में रहना सबको भाता था।

एक-एक परिवार सैकड़ों एकड़ की ज़मीन जोतना चाहता था। काम करने के लिए मज़दूर कम थे, सो अमेरिका में शुरू से ही मशीनों के उपयोग पर ज़ोर

था। डीज़ल मोटर और बिजली की मशीनें बनने से पहले भी यहां बोनी, कटाई आदि के लिए मशीनें बनने लगी। इनमें चार या छह घोड़ो के जोड़े जुतते थे। इस तरह शुरू की मशीनें घोड़ों द्वारा खीची जाती थी।

अब ट्रेक्टर, थ्रेशर, हारवेस्टर कंबाईन जैसी मशीनें खेती का सारा काम करती हैं। मगर साथ ही यहां के बहुत बड़े फार्मों में हवाई जहाज़ों का उपयोग भी किया जाता है। बीज छिड़कने, खाद-दवा डालने आदि के लिए हवाई जहाज़ों का उपयोग होता है। मशीनों के उपयोग के चलते यहां अब मज़दूरों व अन्य काम करने वालों की ज़्यादा ज़रूरत नहीं है।

सैकड़ों एकड़ लंबे-चौड़े फार्मों के मालिक आमतौर पर अपने विशाल फार्मों में ही घर बनाकर रहते हैं। एक फार्म से दूसरे फार्म के बीच तो कई मीलों की दूरी रहती है। इस कारण अमेरिका में, अपने यहां की तरह, थोड़ी-थोड़ी दूरी पर घने बसे हुए गांव नहीं दिखते। ग्रेट प्लेंस में आबादी बहुत कम है।

ऊपर : घोड़ों से खींची जाने वाली कटाई की मशीन

ग्रेट प्लेंस में लोगों को बसाने के लिए सरकार ने क्या किया?

ग्रेट प्लेंस में पानी की कमी को कैसे दूर किया गया?

ग्रेट प्लेंस में खेतों के चारों तरफ कंटीले तारों का बाड़ा बनाना क्यों ज़रूरी था?

ग्रेट प्लेंस के कृषि फार्मों की कोई दो प्रमुख बातें बताओ।

मिट्टी का कटाव

यूरोपीय लोगों के बसने से पहले ग्रेट प्लेंस में खेती तो नहीं होती थी। वहां सैकड़ों मील तक घास ही घास होती थी। जब वहां खेती होने लगी तो घास उखाड़ी गई और मिट्टी को बखरा गया। फसल कटने के बाद, खाली खेतों में सूखी और भुरभुरी मिट्टी रह

नीचे : खेत में हार्वेस्टर कंबाईनों की पलटन

गई। यहां अक्सर तेज़ हवाएं चलती थी। हवा के साथ उपजाऊ मिट्टी उड़ने लगी। इससे खेत बुरी तरह बरबाद होने लगे। धीरे-धीरे मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए भी तरीके ढूंढे गये।

खेतों के किनारे हवा को रोकने के लिए पेड़ो की कतारें लगाई गईं। खेतो को ढाल के आड़े बनाया गया और खेतो के किनारा पर मेड़े बनाई गईं ताकि बरसात मे मिट्टी न कटे। फसल पट्टियो मे बोई जाने लगी। यह भी कोशिश की गई कि कुछ जगहो पर खेत न बनाए जाएं। खासकर अधिक ढलवां ज़मीन पर प्राकृतिक घास को उगने दिया गया। इस तरह ग्रेट प्लेस मे मिट्टी के कटाव को रोकने का प्रयास किया गया।

ग्रेट प्लेस मे मिट्टी का कटाव

ग्रेट प्लेस में मिट्टी का कटाव क्यों होने लगा? तुम्हारे यहां मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए क्या किया जाता है?

फसलें

ग्रेट प्लेस मे विशेष रूप से गेहूं उगाया जाता है। वहां मीलो तक गेहूं के खेत देखे जा सकते हैं। ग्रेट प्लेस में दो तरह के गेहूं उगाए जाते हैं - शीत ऋतु का गेहूं और बसंत ऋतु का गेहूं।

ग्रेट प्लेस के उत्तरी भागो में ठंड के महीनों मे खूब ठंड पड़ती है, हिमपात होता है और ज़मीन हिम से ढंकी रहती है। ऐसे मे वहां खेती कैसे हो?

इसलिए ऐसे इलाको में जब बसंत ऋतु मे बर्फ पिघल जाती है तब गेहूं बोया जाता है। यह गेहूं गर्मी के महीनो में पकता है और उसके बाद काट लिया जाता है।

ग्रेट प्लेस के दक्षिणी भागो मे इतनी अधिक ठंड नही पड़ती है। वहां ठंड से पहले गेहूं बोया जाता है। ठंड के बाद फसल पक कर तैयार हो जाती है। गर्मी आने पर कटाई होती है।

ग्रेट प्लेस मे इतना गेहूं होता है कि अमेरिका के दूसरे इलाको के लोग तो इसे खाते ही हैं, पर विश्व भर मे भी यह गेहू बड़ी मात्रा मे बेचा जाता है।

गेहू के अलावा ग्रेट प्लेस मे मक्का, सोयाबीन व कुछ कपास भी उगाया जाता है। मक्का उगाने का मुख्य क्षेत्र ग्रेट प्लेस नही, बल्कि मध्य का मैदान है। गेहूं और मक्का अमेरिका की बहुत महत्वपूर्ण फसले है। परंतु इसकी विशेषता यह है कि यहां उगने वाला अधिकांश मक्का लोगो द्वारा नही खाया जाता। मक्के की उपज का तीन चौथाई हिस्सा गाय-बैल, सुअर, मुर्गे, भेड़ आदि जानवरो को खिलाने के काम आता है क्योंकि अमेरिका के लोगों के भोजन मे मांस, दूध, मक्खन, पनीर, अंडे, मुर्गे बहुत महत्वपूर्ण हैं।

मीलों तक एक फसल

अमेरिका के खेतिहर इलाको मे जीवन अपने यहां के गांवो के जीवन से सचमुच बहुत अलग है। अमेरिका मे फार्म का मालिक अपने विशाल फार्म की सारी फसल बाज़ार में बेच देता है और अपने घर की ज़रूरतो की सारी चीज़ें - अनाज, दाल, सब्ज़ी, तेल आदि - बाज़ार से खरीदता है। वह अपने सैकड़ो एकड़ वाले फार्म में सिर्फ एक या दो सबसे लाभदायक फसल उगाता है, जो उसके फार्म मे अच्छी तरह उग सके। अमेरिका मे कहीं मीलो तक सिर्फ गेहूं उगा मिलेगा, कही मीलो तक सिर्फ मक्का, तो कही सिर्फ टमाटर और कही मीलो तक सोयाबीन।

वहां सब फार्म मालिक इस उद्देश्य से खेती करते हैं कि कम से कम लागत मे, अपनी मशीनो आदि का पूरा-पूरा उपयोग करके, अधिक से अधिक मुनाफा कमाया जाए। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए ही वे एक सबसे उपयुक्त फसल चुन कर अपने फार्मो मे उगाते हैं।

इस तरह एक ही फसल उगाने से कई फायदे और कई खतरे भी होते हैं। फायदा यह है कि फार्म की मिट्टी, पानी और जलवायु के अनुसार सबसे उपयुक्त फसल उगाने से पैदावार ज़्यादा होती है। फार्म के मालिक को एक ही तरह की मशीनें रखनी होती हैं और उन मशीनो का सैकड़ो एकड़ की जोत पर पूरा उपयोग हो जाता है। फार्म मालिक सारा ध्यान लगाकर एक फसल की पैदावार का सारा इंतज़ाम अच्छी तरह कर सकता है।

पर, एक ही फसल उगाने के खतरे भी हैं। अगर कीड़े लगने या बीमारी होने से वह फसल खराब हो जाए, तो फार्म मालिक पूरी तरह बर्बाद हो जाता है। अगर उस एक फसल का दाम गिर जाए तो भी उसका धंधा पूरी तरह घाटे मे चला जाता है। उसके पास खाने के लिए घर की फसल का सहारा भी नही होता और न ही किसी दूसरी फसल को बेचकर आमदनी कमाने का रास्ता होता है।

मशीनो, गाड़ियो, हवाई जहाज़ो, दवाईयो आदि के लिए किसान बैंको व कंपनियो से लोन लेते हैं। इसलिए घाटे के समय कर्ज़े का भार बहुत अधिक हो जाता है। बहुत बड़े फार्म मालिको के पास तो पिछले मुनाफे और भारी भरकम बचत का सहारा होता है, पर छोटे

हवाई जहाज़ से दवा छिड़की जा रही है

फार्म मालिक बुरी तरह पिट जाते हैं। उन्हें अपनी ज़मीनें और मशीनें बेचनी भी पड़ जाती हैं।

तुम्हें अमेरिका के फार्म मालिकों और अपने यहां के किसानों के बीच क्या समानताएं व भिन्नताएं नज़र आ रही हैं - चर्चा करो।

खेतिहर और औद्योगिक इलाकों का रिश्ता

अमेरिका के विशाल खेतिहर मैदानों में खेती के अलावा अन्य उद्योग ज़्यादा नहीं पनपे हैं। अधिकांश बड़े उद्योग उत्तरी पूर्वी अमेरिका में लगे हुए हैं और वहीं का बना सामान सब दूर बिकता है। उत्तर पूर्व में बसे लोगों का भोजन बीच के मैदानों में उगाया जाता है और बीच के मैदान में रह रहे किसानों व पशु-पालकों की ज़रूरतों का सारा सामान उत्तर पूर्व के कारखानों में बन कर आता है। इन दोनों क्षेत्रों के बीच रेल, सड़कों व नहरों से यातायात और परिवहन की सुविधाएं बहुत पहले विकसित की गई हैं क्योंकि यह दोनों ही क्षेत्रों के लिए ज़रूरी है।

o o o o o

अभ्यास के प्रश्न

1. खाली स्थान भरो :-
   क) ग्रेट प्लेस .....पर्वत श्रेणी और .....नदी के बीच पड़ता है।
   ख) ग्रेट प्लेस की मुख्य प्राकृतिक वनस्पति ..... है।
   ग) ग्रेट प्लेस में बहुत .....गर्मी और बहुत .....ठंड होती है। (कम/अधिक)
2. यूरोपियनों के आने से पहले ग्रेट प्लेस में कौन रहते थे और वे किस जानवर का शिकार करते थे?
3. ग्रेट प्लेस में खेती करने में क्या-क्या दिक्कतें हुईं थीं, समझाओ।
4. ग्रेट प्लेस में पशु पालन की क्या सुविधाएं हैं?
5. क) काउबॉयों का धंधा क्या था और उस धंधे के फायदे क्या थे?
   ख) काउबॉयों के धंधे में खतरे और कठिनाइयां क्यों थीं?
6 क) रैंच क्यों बनाई गईं?
   ख) रैंचों में जानवरों को पालने के लिए क्या-क्या इंतज़ाम होते हैं?
7. ग्रेट प्लेस में खेती के फैलाव में किन-किन चीज़ों ने मदद की - वर्णन करो।
8. क) ग्रेट प्लेस में बसने वाले किसान बहुत बड़े इलाके में खेती क्यों करना चाहते थे?
   ख) उन्हें मज़दूरों की कमी क्यों हुई?
9. ग्रेट प्लेस में अपने देश की तरह घने बसे हुए गांव क्यों नहीं होते हैं?
10. ग्रेट प्लेस में किन दो किस्मों के गेंहू उगाए जाते हैं व क्यों?
11. अमेरिका में मक्का मुख्य रूप से किस काम आता है?
12. अमेरिका के फार्मों के मालिक सैंकड़ों एकड़ में एक ही फसल बोना क्यों फायदेमंद समझते हैं? इससे उन्हें किस प्रकार के खतरों का सामना करना पड़ता है?
13. क) ग्रेट प्लेस का अनाज कहां बिकता है?
   ख) ग्रेट प्लेस में रहने वाले लोगों को कारखाने में बना माल कहां से मिलता है?